बढ़ रहीं चोरियां, खौफजदा हैं लोग

- तीन माह में हो चुकी हैं चोरी की 399 घटनाएं
- महिलाओं में अधिक है झपटमारों का खौफ

फरीदाबाद, जागरण संवाद केंद्र : शहर में चोरों व झपटमारों का खौफ बढ़ता ही जा रहा है। भय के कारण एनएच-4 में रहने वाली ममता ने सोने की चेन पहननी छोड़ दी है। चार दिन पहले ही सेक्टर-16 मार्केट में उसकी चेन झपटमारों ने छीन ली थी। अकेली ममता ही नहीं, बल्कि शहर में सैकड़ों ऐसी महिलाएं हैं, जिन्होंने झपटमारों के खौफ से गहने पहनकर घर से निकलना छोड़ दिया है।

जिले में कमिश्नरी लागू करते समय लोगों को अपराध मुक्त माहौल मुहैया कराने के सब्जबाग दिखाए थे, लेकिन कमिश्नरी लागू से पहले और लागू होने के बाद का जो अपराध का औसत है, वह कुछ और ही स्थिति बयां कर रहा है। जिले में एक अगस्त, 2009 को कमिश्नरी लागू हुई थी। कमिश्नरी लागू होने से पहले जनवरी से मार्च 2009 तक 225 चोरी की घटनाएं हुईं, जबकि जनवरी से मार्च 2010 तक 399 चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोरी का ग्राफ कितनी तेजी से बढ़ रहा है। तीन माह में चेन स्नैचिंग की 18 वारदातें हो चुकी हैं।

बरतें ये सावधानियां

चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। घर से बाहर जाते समय पड़ोसियों को बताकर निकलें। घर में नकदी व जेवरात कतई न रखें, बैंक के लॉकर में रखवाएं। घर के खिड़की दरवाजों में मजबूत ताले लगवाएं। संभव हो तो घर में हमेशा किसी एक सदस्य की मौजूदगी जरूर हो। घर में प्रशिक्षित कुत्ता पालकर रखें।

इस वर्ष जनवरी-मार्च में हुईं घटनाएं

माह	वाहन चोरी	गृहभेदन	झपटमारी
जनवरी	72	12	8
फरवरी	110	26	4
मार्च	153	26	6
कुल	335	64	18

जनवरी-मार्च, 2009 में हुईं घटनाएं

माह	वाहन चोरी	गृहभेदन	झपटमारी
जनवरी	42	17	6
फरवरी	74	14	9
मार्च	66	12	5
कुल	182	43	20

क्या कहते हैं प्रबुद्ध लोग

कन्फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव एएस गुलाटी का कहना है कि अब उन्हें रोजाना तीन-चार चोरियों की खबर मिलती हैं। कभी बाहर घूमने-फिरने का मन होता है तो घर खाली छोड़ने में चोरी की आशंका बनी रहती है।

मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन फरीदाबाद के महासचिव रमणीक प्रभाकर का कहना है कि शहर में बढ़ती घटनाओं से लोग बेहद खौफ में है। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद भी पुलिस तंत्र चोरी पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। तीन महीनों में दिनदहाड़े घरों में चोरी की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। लघु इकाइयों और औद्योगिक प्रतिष्ठान भी चोरों की पहुंच से दूर नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शर्मा का कहना है कि कमिश्नरी लागू होने से पहले जिला फरीदाबाद में पलवल जिला भी शामिल था। तब जिले पर एसपी रैंक का एक अधिकारी होता था। वर्ष 2009 के मुकाबले वर्ष 2010 में अपराध दर बढ़ी है जबकि अब जिले में पलवल अलग है और सिर्फ फरीदाबाद में आईजी, डीआईजी और एसपी रैंक के दस अधिकारी है। इसके बावजूद अपराध बढ़ना शर्मनाक है। सरकार को यह सिस्टम में सुधार के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए।

गोपाल शर्मा

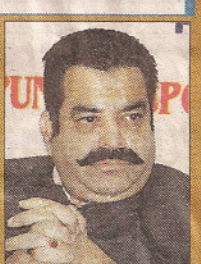

रमणीक प्रभाकर

एएस गुलाटी

एंटी थेफ्ट विंग बनाए हैं : पुलिस आयुक्त

पुलिस आयुक्त पीके अग्रवाल का कहना है कि चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए थानाध्यक्षों एवं चौकी प्रभारियों पर नकेल कसी गई है। उन्होंने बताया कि चोरी की घटनाओं को रोकने या सुलझाने के लिए एंटी थेफ्ट विंग बनाए गए हैं। ये विंग कड़े प्रयास कर रहे हैं। कुछ गिरोहों की पहचान हुई है। प्रयासों का ही नतीजा है कि जनवरी से मार्च तक चोरी की 84 वारदातों को सुलझाया जा चुका है।

पुलिस आयुक्त पीके अग्रवाल